

INDIRA GANDHI UNIVERSITY, MEERPUR- REWARI, HARYANA (122502)

**(A State University Established under Haryana Act No.29 of 2013)
(Recognized u/s 12(B) & 2(f) of UGC Act, 1956)**

www.igu.ac.in



Syllabus and Scheme of Examination

(in accordance with National Educational Policy 2020)

for

Post Graduate Programme

in

HINDI

Effective from Academic Session 2026-2027

Department of Hindi

Faculty of Humanities

Indira Gandhi University,

Meerpur-Rewari (122502)

Haryana, India

Details of Approvals

Council/Board	Date	Remark
Staff Council	24 जुलाई 2026	
Board of Studies	4 अगस्त 2026	
Faculty	मानविकी संकाय	
Academic Council		
Year of implementation		

अध्यक्ष
हिन्दी-विभाग
Chairperson
इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय
(Signature with Stamp)
3/08/2024

VISION AND MISSION OF THE UNIVERSITY

VISION

To be a globally renowned university, recognized for excellence in teaching, innovative research, and welfare of the society, imbibing the spirit of "*Vasudhaiv kutumbkam*".

MISSION

- To introduce and implement innovation in teaching and learning process matching up the global standards to strengthen academic delivery through curriculum design, teaching pedagogy and usage of ICT.
- To develop a mechanism that attracts talented, qualified and experienced faculty from across the globe for pursuing their academic and research careers at the University.
- To offer academic programs at UG, PG, doctoral, Post-Doctoral levels which are learner- centric, industry focused, and adhere to outcome based international models.
- To create an ambiance that is conducive for undertaking sponsored research, innovation and consultancy services to a wide spectrum of societal and industrial requirements while encouraging interdisciplinary approach of learning, team work, and research.
- To establish state of art centres of excellence in frontier areas of research and design innovation through industry collaboration to innovate and incubate the products and services.
- To establish smart campus and promote e-governance activities in the university for the digitally empowered society and knowledge economy.
- To provide a hygienic, modern, environment friendly and vivacious campus attuned to the urgent needs of Green Technology.
- To consider and implement norms, metrics, standards, procedures and benchmarks for assessing and improving the quality in every aspect of University system and achieve quality certifications by National and International bodies.
- To make society self-reliant by organizing various programmes including literacy, gender sensitization, health awareness, and dissemination of information about livelihood generation.

[Signature]
13/8/24

शकुंतला

[Signature]
13/8/24



VISION AND MISSION OF THE DEPARTMENT

दृष्टि (VISION)

स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी साहित्य एवं भाषा में दक्ष बनाना। हिंदी भाषा, साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा के गहन अनुशीलन द्वारा शोध-उन्मुख, नैतिक, तकनीकी रूप से दक्ष और वैश्विक दृष्टिकोण वाले ऐसे मानवीय नागरिकों का निर्माण करना, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर समाज और राष्ट्र के बहुआयामी विकास में योगदान दे सकें। प्रभावी प्रशिक्षक, शोधकर्ता और योगदानकर्ता बनने के लिए प्रशिक्षित करना ताकि विश्वविद्यालय दुनिया भर में विद्वतापूर्ण उपलब्धि का एक प्रतिष्ठित केन्द्र माना जाए।

लक्ष्य (MISSION)

1. एम. ए. हिंदी कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्नातक के पश्चात विषयों के गंभीर एवं गहन अध्ययन की ओर प्रेरित करना है।
2. भारतीय काव्यशास्त्र, लोक-संस्कृति एवं परंपरा के साथ-साथ समकालीन वैचारिक विमर्शों और भाषावैज्ञानिक सिद्धांतों का अद्यतन एवं समालोचनात्मक अध्ययन-अध्यापन प्रदान करना।
3. विद्यार्थियों में शोध-प्रविधि, मौलिक सोच और अंतर-विषयक दृष्टिकोण विकसित कर उन्हें उच्च स्तरीय अनुसंधान हेतु प्रेरित करना।
4. अनुवाद, प्रशासनिक हिंदी, सृजनात्मक लेखन, मीडिया एवं डिजिटल कंप्यूटिंग में व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को सुदृढ़ करना।
5. हिंदी कंप्यूटिंग, ई-संसाधनों और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देकर भाषा को वैश्विक डिजिटल युग के अनुकूल बनाना।
6. संवैधानिक मूल्यों, नैतिक सत्यनिष्ठा, विविधता के सम्मान और हाशिए के समाज के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देने वाला शैक्षणिक माहौल निर्मित करना।


13/08/26

शकुंतला


13/08/26

ABOUT THE PROGRAMME

हिंदी साहित्य का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP) के अनुसार मल्टीपल एंट्री -एग्जिट, इंटरनशिप और अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (LOCF) तथा क्रेडिट पद्धति (CBCS) के आधार पर विद्यार्थियों के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास, भाषा विज्ञान, काव्यशास्त्र, वैचारिक पृष्ठभूमि और आधुनिक विधाओं (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध) का गहन ज्ञान प्रदान करता है। इसमें पारंपरिक साहित्य के साथ-साथ प्रयोजनमूलक हिंदी और डिजिटल मीडिया में हिंदी के बढ़ते उपयोग को भी शामिल किया गया है। ज्ञान की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके। साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस संदर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। साहित्य के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों से परिचित होकर विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते परिवेश में व्यापक सरोकारों से अपना संबंध जोड़ सके और साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और संप्रेषण क्षमता का विकास हो सके।

MINIMUM ELIGIBILITY CRITERIA

विश्वविद्यालय नियमानुसार

PASSING CRITERIA

विश्वविद्यालय नियमानुसार

ELIGIBILITY FOR EXAMINATION

विश्वविद्यालय नियमानुसार


13/08/24

शकुंतला


13/08/24

PEO 1	विद्यार्थी हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान तथा अंतर-विषयक क्षेत्रों में उच्च स्तरीय मौलिक शोध करने, आलोचनात्मक चिंतन विकसित करने और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान-सृजन में योगदान देने में सक्षम होंगे।
PEO 2	विद्यार्थी राजभाषा अधिकारी, अनुवादक, मीडिया विशेषज्ञ, पटकथा लेखक, सामग्री संपादक तथा अध्यापन जैसे विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी भाषाई और तकनीकी दक्षता का सफल प्रयोग कर आत्मनिर्भर बनेंगे।
PEO 3	विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा, लोक संस्कृति और हाशिए के विमर्शों के प्रति संवेगात्मक व तार्किक दृष्टि रखते हुए समाज में संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्यों के प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।
PEO 4	विद्यार्थी बदलते वैश्विक व डिजिटल परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को निरंतर अद्यतन (Update) रखेंगे और आधुनिक डिजिटल टूल्स के माध्यम से विश्व पटल पर हिंदी भाषा व साहित्य का संवर्धन करेंगे।

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PLOs)

PLOs 1	Knowledge	हिंदी साहित्य के इतिहास, वैचारिक आंदोलनों, प्रमुख विधाओं और भाषावैज्ञानिक सिद्धांतों की शास्त्रीय एवम् समकालीन अवधारणाओं का गहन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करना।
PLOs 2	Research Aptitude	साहित्यिक एवम् सांस्कृतिक सिद्धांतों के आलोक में शोध-समस्याओं की पहचान करना, शोध-प्रविधियों का प्रयोग करना तथा मौलिक व नवोन्मेषी शोध पत्र या शोध-प्रबंध तैयार करने की क्षमता विकसित करना।
PLOs 3	Communication	हिंदी भाषा में मौखिक, लिखित और डिजिटल रूप से अपने विचारों को प्रभावी, तार्किक और स्पष्ट रूप से व्यक्त करना तथा शैक्षणिक और व्यावहारिक मंचों पर संवाद स्थापित करना।
PLOs 4	Problem-Solving	साहित्यिक पाठों, सांस्कृतिक विविधताओं, सामाजिक विसंगतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना और उनका विवेकपूर्ण तार्किक समाधान खोजना।
PLOs 5	Individual and Team Work	साहित्यिक/अकादमिक परियोजनाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक विचार-विमर्श में एक कुशल नेतृत्वकर्ता, और सहयोगी सदस्य के रूप में कार्य करना।
PLOs 6	Investigation of Problems	समाज और साहित्य के अंतर्सम्बन्धों का मूल्यांकन करना और हाशिए के विमर्शों के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों का विश्लेषण करना।
PLOs 7	Modern Tool Usage	हिंदी कम्प्यूटिंग, ई-संसाधनों, डिजिटल मीडिया टूल्स, और भाषा शिक्षण एवं शिक्षण से जुड़े आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग करना।
PLOs 8	Scientific temperament	साहित्य, परम्परा और रूढ़ियों का मूल्यांकन संवेगात्मक आधार पर न करके, वैज्ञानिक, तार्किक, निष्पक्ष और पूर्वाग्रह मुक्त दृष्टिकोण से करने की क्षमता।

अ.प्र.प्र. 13/8/26 श.सं.त.ल.

मंजूर
13/8/26

PLOs 9	Life-Long Learning	बदलते वैश्विक परिदृश्य में ज्ञान के महत्व को समझना, साहित्य व समाज के अंतः विषयक क्षेत्रों में निरंतर स्वाध्याय तथा ज्ञानवर्द्धन की प्रवृत्ति बनाए रखना।
PLOs 10	Ethics	अकादमिक सत्यनिष्ठा बनाए रखना, साहित्यिक चोरी (Plagiarism) से बचना तथा मानवीय, सामाजिक व संवैधानिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील रहना।
PLOs 11	Project Management	साहित्यिक पत्रिकाओं के संपादन, राष्ट्रीय / अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन और भाषाई व सांस्कृतिक परियोजनाओं का समयबद्ध, योजनाबद्ध कुशल प्रबंधन करना।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

PSO 1	विद्यार्थी हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा, कालखंडों की वैचारिक पृष्ठभूमि, पाश्चात्य व भारतीय काव्यशास्त्र और व्याकरण के सिद्धांतों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे; साथ ही वे लोक साहित्य व संस्कृति के संरक्षण और वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान दे सकेंगे।
PSO 2	विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों के लिए सृजनात्मक व व्यावसायिक लेखन (पटकथा, विज्ञापन आदि) करने तथा राजभाषा नीति, प्रशासनिक हिंदी और अनुवाद कौशल के व्यावहारिक ज्ञान के बल पर राजभाषा अधिकारी, अनुवादक, हिंदी संप्रेषक और अध्यापन के क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से रोजगार के योग्य बनेंगे।

Signature
13/8/26

शकुंतला

Signature
13/8/26

Scheme of Examination for Postgraduate Programme	
Subject	Hindi
Total number of Semesters	4
Total Marks	2700
Total Credit	108
Framework	2
Scheme	S (as per PG ordinance)

Curriculum Framework -PG -

Scheme S

Semester	Course Type	Course Code*	Nomenclature of course	Theory(T)/ Practical(P)	Credits		Contact hours per week				Internal Assessment Marks	End Term Examination Marks	Total Marks	Examination Hours
					Total		L	T	P	Total				
1	CC-1	26L6.0-HIN-101	आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता	Th	4	26	3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-2	26L6.0-HIN-102	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Th	4		3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-3	26L6.0-HIN-103	हिंदी कथा साहित्य	Th	4		3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-4	26L6.0-HIN-104	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	Th	4		3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-5	26L6.0-HIN-105	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	Th	4		3	1	0	4	30	70	100	3
	DEC-1	26L6.0-HIN-106 26L6.0-HIN-107	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा कबीरदास तुलसीदास		4		3	1	0	4	30	70	100	3
SEM	26	L6.0-HIN-108	संगोष्ठी (Seminar)	S	2						50		50	2

गणेश/13/8/26 शकुंतला

मंजुश्री
13/8/26



C.C. = मूल पाठ्यक्रम (Core Course)

D E C = विभागीय वैकल्पिक (Discipline Elective Course)

2	CC-6	26 L6.0-HIN-201	आधुनिक हिंदी कविता-1	Th	4	2	3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-7	26 L6.0-HIN-202	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Th	4	6	3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-8	26 L6.0-HIN-203	कथेतर हिंदी साहित्य	Th	4		3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-9	26 L6.0-HIN-204	भारतीय काव्यशास्त्र	Th	4		3	1	0	4	30	70	100	3
	CC/SE C-10	26 L6.0-HIN-205	जनसंचार माध्यम एवं हिंदी	Th	4		3	1	0	4	30	70	100	3
	DEC-2	26L6.0-HIN-206 26L6.0-HIN-207	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा प्रेमचंद अज्ञेय		4		3	1	0	4	30	70	100	3
	CHM/ VAC	26L6.0-CHM-201	Constitutional, Human and Moral Values and IPR	T	2		2	0	0	2	15	35	50	2
	Interns hip	26L6.0-HIN-INT	An internship course of 4 Credits of 4-6 weeks duration during summer vacation after 2 nd semester is to be completed by every student. Internship can be either for enhancing the employability or for developing the research aptitude.		4						50	50	100	-
	कुल				3 0		2 6						750	

VAC = मूल्यवर्धित (Value Added Course)

SEC = कौशल संवर्धन (Skill Enhancement Course)

Post Graduate Diploma in Hindi will be awarded if Candidate wants to exit after II Semester earning 56 credits

13/8/26 शांति

13/8/26



3	CC-11	26 L6.0-HIN-301	आधुनिक हिंदी कविता-2	Th	4	3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-12	26 L6.0-HIN-302	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Th	4	3	1	0	4	30	70	100	3
	DEC-3	26 L6.5-HIN-303	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा	Th	4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26 L6.5-HIN-304	लोक साहित्य: संदर्भ एवं पाठ										
	DEC-4	26 L6.5-HIN-305	प्रवासी साहित्य		4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26 L6.5-HIN-306	सूरदास										
			मीराबाई										
	DEC-5	26L6.5-HIN-307	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा		4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26L6.5-HIN-308	राष्ट्रीय काव्यधारा										
			शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया										
	DEC-6	26L6.5-HIN-309	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा		4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26L6.5-HIN-310	भारतेंदु हरिश्चंद्र										
			बालमुकुंद गुप्त										
	OEC	26L6.5-HIN-301	हिंदी पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन		2	2				15	35	50	2
			कुल		26							650	

OEC = मुक्त वैकल्पिक (Open Elective Course)

(i) *OEC To be chose out of pool of courses provided by the University

4	CC-13	26 L6.5-HIN-401	हिंदी आलोचना	4	3	1	0	4	30	70	100	3
	CC-14	26 L6.5-HIN-402	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	3	1	0	4				
	DEC-7	26 L6.5-HIN-403	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा अस्मितामूलक साहित्य चिंतन (स्त्री, दलित, आदिवासी आदि)	4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26 L6.5-HIN-404	मध्यकालीन महिला संत कवयित्रियाँ									
	DEC-8	26 L6.5-HIN-405	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा जयशंकर प्रसाद	4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26 L6.5-HIN-406	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला									
	DEC-9	26 L6.5-HIN-407	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा समकालीन साहित्य चिंतन (मार्क्सवाद से विखंडनवाद तक की विचारधाराओं के सन्दर्भ में)	4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26 L6.5-HIN-408	हिंदी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएं, आन्दोलन, केंद्र)									
	DEC-10	26 L6.5-HIN-409	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा हिंदी सिनेमा में भारतीयता	4	3	1	0	4	30	70	100	3
		26 L6.5-HIN-410	अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग									
	EEC	26 L6.5-HIN-411	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा हिंदी भाषा और कंप्यूटर	2	2				15	35	50	2
		26 L6.5-HIN-412	सृजनात्मक लेखन									
		लघु शोध प्रबंध / शोध परियोजना		12					100	200	300	
		कुल		26					124	256	650	

गोपाल / 21/8/26

शकुंतला

मंजु कुशु



EEC= व्यावसायिक और उद्यमशीलता कौशल (Employability and Entrepreneurship Skills Course) (EEC)

Scheme of Semester IV when a student opts for Dissertation Work or Project Work

CC-13	26 L6.5-HIN-401	हिंदी आलोचना		4		3	1	0	4	30	70	100	3
DEC-7		निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा		4		3	1	0	4	30	70	100	3
	26 L6.5-HIN-403	अस्मितामूलक साहित्य चिंतन (स्त्री, दलित, आदिवासी आदि)											
	26 L6.5-HIN-404	मध्यकालीन महिला संत कवयित्रियों											
DEC-8		निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा		4		3	1	0	4	30	70	100	3
	26 L6.5-HIN-405	जयशंकर प्रसाद											
	26 L6.5-HIN-406	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला											
EEC	26 L6.5-HIN-407	शोध नैतिकता		2						15	35	50	2
	लघु शोध प्रबंध/शोध परियोजना			12						100	200	300	
	कुल			26								650	

There will be One Core course and Three DEC in the 4th semester for those students who opted to write dissertation work / Project work
The evaluation of Dissertation is based on only external evaluation and workload will be as per university guidelines.

अध्यक्ष
13/8/26

शाकुंतला

मंजुषा
13/08/26



	405	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला											
	26 L6.5-HIN-406												
EEC	26 L6.5-HIN-407	शोध नैतिकता		2						15	35	50	2
	लघु शोध प्रबंध /शोध परियोजना			12						100	200	300	
	कुल			26								650	
There will be One Core course and Three DEC in the 4th semester for those students who opted to write dissertation work / Project work The evaluation of Dissertation is based on only external evaluation and workload will be as per university guidelines.													

डा. कुंती

मंजुषा
13/08/2021

Part A - Introduction			
Name of Subject	एम.ए. हिंदी		
Semester	प्रथम सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता		
Course Code	26L6.0-HIN-101		
Course Type	CC-1		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	विद्यार्थी आदिकालीन, मध्यकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, विचारधारा और दर्शन को समझ सकेंगे।	
	CLO ₂	विद्यार्थी चन्दबरदाई, अमीर खुसरो और विद्यापति के काव्य की भाषा, शैली और सांस्कृतिक महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे।	
	CLO ₃	विद्यार्थी कबीर, सूरदास और तुलसीदास के निर्धारित पदों के माध्यम से भक्ति आंदोलन के सामाजिक और दार्शनिक संदेश को समझ सकेंगे।	
	CLO ₄	विद्यार्थी जायसी के वियोग वर्णन, मीराबाई की भक्ति, बिहारी के दोहों और भूषण के वीर रस के काव्य के सौंदर्य विधान की व्याख्या कर सकेंगे।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4




शकुंतला

Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter:

The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की विचारधारा , स्वरूप भक्तिकाल का स्वरूप एवं दर्शन रीतिकाल: युगबोध, अन्तर्वस्तु और सौन्दर्य विधान	1	15
II	चन्दबरदाई - रेवाट समय (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी) अमीर खुसरो - (अमीर खुसरो: व्यक्तित्व और कृतित्व - डा. परमानन्द पांचाल, हिंदी बुक सेन्टर, दिल्ली) जे हाल ए मिस्की मकुन तगाफुल अम्मा मोरे बाबा को भेजो जी (गीत) काहे को ब्याही विदेस रे (गीत) बहुत कठिन है डगर पनघट की (गीत)	2	15

[Signature]

[Signature]

शकुंतला

	छाप तिलक तज दीन्हीं रे तो से नैना मिलाके (कव्वाली) (कुल 5 पद) विद्यापति (विद्यापति की पदावली: सं० रामवृक्ष बेनीपुरी) निर्धारित पद - 1, 2, 5, 6, 9 (कुल 5 पद)		
III	कबीर - (कबीर - संपादक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली) निर्धारित पद - 160, 162, 163, 164, 165, 168, 175 , 177, 191, 201 = कुल 10 पद सूरदास: (भ्रमरगीत सार: संपादक रामचन्द्र शुक्ल , लोकभारती प्रकाशन दिल्ली) निर्धारित पद:- 21, 23, 24, 25, 29, 34, 38, 42, 52, 64 = कुल 10 पद तुलसीदास: (कवितावली: उत्तरकाण्ड - गीता प्रेस, गोरखपुर) निर्धारित पद - 8, 26, 27, 29, 30, 32, 33, 35, 57 , 96, 97 = कुल 10 पद	3	15
IV	जायसी - (पदमावत - सं० आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन दिल्ली) नागमती वियोग खण्ड मीराबाई - (मीरा - सं० विश्वनाथ त्रिपाठी) निर्धारित पद - 2, 9, 10, 11, 19 (कुल 5 पद) बिहारी सतसई - (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) - छंद सं० - 1, 3, 13 14, 15, 16, 17, 25, 26, 28 (कुल 10 छंद) भूषण - भूषण ग्रंथावली (सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) इंद्र जिमि जंभ पर दारा की न दौर यह रारि	4	15

गुलाम

मंजूषी

शकुंतला

सजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढि राखि हिन्दुवानी हिन्दुवान को तिलक राखयौ ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारि देबल गिरावते फिरावते निसान अली			
Total Contact hours		60	
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
• Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):Instructions			
• अग्रवाल, पुरुषोत्तम (संपा.)(2010). कबीर,साखी और सबद् ,नई दिल्ली,नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया ।			
• उपाध्याय, विश्वम्भरनाथ (संपा.)(1968). सरहपा,नई दिल्ली, साहित्य अकादमी ।			
• चन्दबरदाई. (1995). रेवा तट, पृथ्वीराज रासो. वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा।			
• तेजायत, अरविंद सिंह (2012). मीरा का जीवन, प्रयागराज (इलाहाबाद), लोकभारती प्रकाशन।			
• त्रिपाठी, डॉ. विश्वनाथ (1977). लोकवादी तुलसीदास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।			
• तुलसीदास. (1998). कवितावली गोरखपुर, गीताप्रेस।			
• द्विवेदी, हजारी प्रसाद (1950). कबीर, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।			
• द्विवेदी, हजारी प्रसाद (1940). हिंदी साहित्य की भूमिका, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।			
• द्विवेदी, हजारी प्रसाद (1945). सूर साहित्य,नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।			
• पांडेय, मैनेजर (1982). भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।			
• पांचाल, परमानन्द (1999). अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व, नई दिल्ली, हिंदी बुक सेन्टर।			
• मिश्र, भगीरथ (1954). हिंदी रीति साहित्य. नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।			
• मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद (संपा.). (1956). भूषण ग्रंथावली,नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।			
• रत्नाकर, जगन्नाथ दास (संपा.). (1950). बिहारी रत्नाकर, प्रयागराज (इलाहाबाद), लोकभारती प्रकाशन।			

- साही, विजयदेव नारायण (1983). जायसी. प्रयागराज (इलाहाबाद), हिंदुस्तानी अकादमी।
- शुक्ल, रामचंद्र (1935). गोस्वामी तुलसीदास. वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा।
- शुक्ल, रामदेव (1971). घनानन्द का काव्य, प्रयागराज (इलाहाबाद), लोकभारती प्रकाशन।
- शुक्ल, रामचंद्र (1935). मलिक मुहम्मद जायसी. वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा।
- शुक्ल, रामचंद्र (1934). सूरदास. वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	1	1	1	2	2	3	3	2	3	1
CLO ₂	3	3	3	2	2	1	1	2	2	3	2	3	2
CLO ₃	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3	2	3	2
CLO ₄	3	3	2	3	2	2	1	2	3	3	2	3	3

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	04
Entrepreneurship	04
Skill Enhancement	06
Communication Development	06
Indian Knowledge System	24
Environmental Awareness/SDGs	04
Current Issues and Social Awareness	08
Gender issues	06
Public policies	02

(Signature)

(Signature)

शकुंतला

Part A – Introduction			
Name of Subject	एम. ए. हिंदी		
Semester	प्रथम सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory ((Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)		
Course Code	26L6.0-HIN-102		
Course Type	CC-2		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	विद्यार्थी हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा, काल-विभाजन और नामकरण के सिद्धांतों को समझ सकेंगे।	
	CLO ₂	विद्यार्थी आदिकाल की प्रवृत्तियों सहित सिद्ध, नाथ, जैन, रासो और लोक साहित्य का विश्लेषण कर सकेंगे।	
	CLO ₃	विद्यार्थी भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, निर्गुण-सगुण काव्य और प्रमुख कवियों के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।	
	CLO ₄	विद्यार्थी रीतिकाल की परिस्थितियों और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध व रीतिमुक्त काव्यधाराओं का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4

Signature

मंजूरी

शकुंतला

Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		
Part B- Contents of the Course			
Instructions for Paper- Setter: The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.			
Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास साहित्य के इतिहास की अवधारणा हिंदी में साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण	1	15
II	आदिकाल: नामकरण एवं पृष्ठभूमि आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लोक साहित्य।	2	15
III	भक्तिकाल: सामाजिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि वैष्णव भक्ति का उदय और दक्षिण के आलवार संत निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय भक्तिकालीन गद्य-साहित्य	3	15
IV		4	15

	दरबारी संस्कृति और रीतिकाल रीतिकाल: परिस्थितियाँ एवं नामकरण रीति कवियों का आचार्यत्व रीति सिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएं, रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य		
	Total Contact hours		60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
• शुक्ल, रामचंद्र (1929). हिंदी साहित्य का इतिहास, वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा। • नगेंद्र, डॉ. (सं.)(1973). हिंदी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, मयूर पेपर बैक्स। • शुक्ल, रामचंद्र (1940). त्रिवेणी, वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा। • द्विवेदी, हजारी प्रसाद (1952). हिंदी साहित्य का आदिकाल, पटना, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्। • द्विवेदी, हजारी प्रसाद (1940). हिंदी साहित्य की भूमिका, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • द्विवेदी, हजारी प्रसाद (1952). हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद (1959). हिंदी साहित्य का अतीत (दो खण्ड), नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। • नगेंद्र, डॉ. (1949). रीतिकाल की भूमिका, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस। • मिश्र, भगीरथ (1962). हिंदी रीति साहित्य, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • शर्मा, रामविलास (1981). परंपरा का मूल्यांकन, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • शर्मा, रामविलास (1985). लोक जागरण और हिंदी साहित्य, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • त्रिपाठी, विश्वनाथ (1985). हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, दिल्ली, ओरिएंट ब्लैकस्वान। • जायसवाल, सुवीरा (1996). वैष्णव भक्ति का उदय और विकास, नई दिल्ली, ग्रंथशिल्पी। • चतुर्वेदी, रामस्वरूप (1986). हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन। • मिश्र, शिवकुमार (1987). भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन। • सिंह, बच्चन (1996). हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • वर्मा, रामकुमार (1938). हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, दिल्ली/इलाहाबाद, लोकभारती			

शकुंतला

प्रकाशन।

- चतुर्वेदी, परशुराम (1952). संत काव्य, इलाहाबाद, किताब महल।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	3	2	1		2	3	3	2	1	3	1
CLO ₂	3	2	2	3	1	3		3	2			3	
CLO ₃	3	2	2	3	2	3		3	2	3		3	
CLO ₄	3	2	2	3	1	3		3	2	2	2	3	3

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	08
Entrepreneurship	08
Skill Enhancement	06
Communication Development	06
Indian Knowledge System	18
Environmental Awareness/SDGs	02
Current Issues and Social Awareness	08
Gender issues	06
Public policies	02
Any Other	04

Handwritten signature

Handwritten signature

शकुंतला

Part A – Introduction

Name of Subject	एम. ए. हिंदी		
Semester	प्रथम सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	हिंदी कथा साहित्य		
Course Code	26L6.0-HIN-103		
Course Type	CC-3		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs,) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	हिंदी कहानी और उपन्यास के उद्भव, विकास और प्रमुख वैचारिक आंदोलनों की समझ विकसित करना।	
	CLO ₂	'गोदान' और 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यासों के कथ्य, शिल्प और सामाजिक परिप्रेक्ष्य का मूल्यांकन करना।	
	CLO ₃	हिंदी की प्रतिनिधि कहानियों के माध्यम से तत्कालीन मानवीय संवेदनाओं और शिल्पगत विविधताओं का विश्लेषण करना।	
	CLO ₄	समकालीन कहानियों के जरिए आधुनिक पारिवारिक, सामाजिक, स्त्री-चेतना और वंचित विमर्श की समस्याओं को समझना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		

Part B- Contents of the Course**Instructions for Paper- Setter:**

The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will

be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	हिंदी कहानी : उद्भव, विकास और स्वरूप प्रेमचन्दयुगीन हिंदी कहानी विविध कहानी आन्दोलन उपन्यास : अवधारणा, उद्भव और विकास प्रेमचन्दयुगीन हिंदी उपन्यास और भारतीय परिवेश प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यास देश विभाजन और हिंदी उपन्यास स्त्री उपन्यास लेखन 1990 के बाद के हिंदी उपन्यास	1	15
II	उपन्यास: प्रेमचन्द : गोदान हज़ारीप्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा	2	15
III	निर्धारित कहानियाँ: उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद प्रेमचन्द - ईदगाह तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु	3	15
IV	निर्धारित कहानियाँ: चीफ की दावत - भीष्म साहनी पिता - ज्ञानरंजन यही सच है - मन्नू भडारी घुंसपैठिये - ओमप्रकाश वाल्मीकि	4	15
	Total Contact hours		60
Evaluation Methods			

Handwritten signature

Handwritten signature

शकुंतला

Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
• अवस्थी, देवीशंकर (2011). नई कहानी: संदर्भ एवं प्रकृति, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • ज्ञानरंजन (2015). फेंस के इधर और उधर, कानपुर, ज्ञानरंजन पुस्तक संस्थान। • चौधरी, सुरेंद्र (2013). हिंदी कहानी: प्रक्रिया और पाठ, गाजियाबाद, अंतिका प्रकाशन। • चौधरी, सुरेंद्र (2014). हिंदी कहानी: रचना और परिस्थिति, गाजियाबाद, अंतिका प्रकाशन। • द्विवेदी, हजारी प्रसाद (2014). बाणभट्ट की आत्मकथा, नई दिल्ली, राजकुमार प्रकाशन। • पल्लव (2016). कहानी का लोकतंत्र, पंचकूला, आधार प्रकाशन। • पॉल, जोगेन्द्र (2009). कहानी का ताना बाना, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। • प्रेमचंद (2010). ईदगाह एवं अन्य कहानियां, नई दिल्ली, प्रेमचंद एकता प्रकाशन। • प्रेमचंद (2018). गोदान, इलाहाबाद, लोक भारती प्रकाशन। • मधुरेश (2012). हिंदी कहानी: अस्मिता की तलाश, पंचकूला, आधार प्रकाशन। • मधुरेश (2017). हिंदी कहानी का विकास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन। • यादव, राजेन्द्र (2011). उपन्यास दशक, दिल्ली, हिंदी अकादमी। • यादव, राजेन्द्र (2013). एक दुनिया समानांतर, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • राय, गोपाल (2015). हिंदी कहानी का विकास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • गुलेरी, चंद्रधर शर्मा (2005). उसने कहा था और अन्य कहानियां, नई दिल्ली, राजपाल एंड संसा। • शर्मा, रामविलास (2008). प्रेमचंद और उनका युग नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • साहनी, भीष्म (2012). प्रतिनिधि कहानियां दिल्ली, किताबघर प्रकाशन। • सिंह, नामवर (2019). कहानी नई कहानी, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।			

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	2	1	2	1	3	3	2	1	3	1
CLO ₂	3	3	2	3	2	3	1	2	2	2	1	3	2
CLO ₃	3	2	3	2	2	2	1	2	2	2	1	3	1
CLO ₄	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	2	3	2

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
-------	---------------

Signature

Signature

शकुन्ता

Employability	08
Entrepreneurship	08
Skill Enhancement	06
Communication Development	08
Indian Knowledge System	12
Environmental Awareness/SDGs	04
Current Issues and Social Awareness	10
Gender issues	08
Public policies	04
Any Other	

शकुंतला

अभिषेक

मंजु

Part A – Introduction

Name of Subject	एम. ए. हिंदी		
Semester	प्रथम सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory		
Nomenclature of the Course	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा		
Course Code	26L6.0-HIN-104		
Course Type	CC-4		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास, उपभाषाओं (पूर्वी व पश्चिमी), काव्य भाषाओं (अवधी व ब्रज) और इसकी संवैधानिक स्थिति का ज्ञान प्राप्त करना।	
	CLO ₂	ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया, स्वर-व्यंजन के वर्गीकरण और स्वनिक परिवर्तनों के सिद्धांतों को समझना।	
	CLO ₃	शब्द, वर्तनी, वाक्य-संरचना (रचना व अर्थ के आधार पर) और हिंदी के मानकीकरण का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना।	
	CLO ₄	शब्द-अर्थ संबंध, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता व इतिहास और हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्रमुख व्यक्तियों व संस्थाओं के योगदान का मूल्यांकन करना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		

Part B- Contents of the Course**Instructions for Paper- Setter:**

The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with

consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति भाषा अध्ययन की दिशाएं -वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक हिंदी की उपभाषाएं: पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ, पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ हिंदी के विविध रूप: बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और ग्रियर्सन का वर्गीकरण काव्य भाषा के रूप में अवधी का विकास काव्य भाषा के रूप में ब्रज का विकास साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास हिंदी की संवैधानिक स्थिति	1	15
II	ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया स्वर एवं व्यंजन : परिभाषा और वर्गीकरण स्वनगुण एवं उसकी सार्थकता स्वनिक परिवर्तन की दिशाएं	2	15
III	शब्द : परिभाषा और वर्गीकरण वर्तनी : परिभाषा और स्वरूप भाषा की प्रथम और सहज इकाई के रूप में वाक्य वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना वाक्य के प्रकार : पद रचना की दृष्टि से I. पद अर्थ की दृष्टि से II. हिंदी का मानकीकरण	3	15
IV	अर्थ : परिभाषा, शब्द-अर्थ संबंध	4	15

मंजुषी

शकुंतला

	अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं भाषा और व्याकरण संबंध नागरी लिपि : नामकरण और सुधार का इतिहास नागरी लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण हिंदी : प्रचार-प्रसार - प्रमुख व्यक्तियों का योगदान, प्रमुख संस्थाओं का योगदान		
	Total Contact hours		60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
• तिवारी, डॉ. भोलानाथ (2006). भाषाविज्ञान इलाहाबाद ,किताब महल । • तिवारी, डॉ. भोलानाथ (2005). हिंदी भाषा इलाहाबाद, किताब महल । • मिश्र, डॉ. नरेश (2006). भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास ,पंचकूला, हरियाणा साहित्य अकादमी। • मिश्र, डॉ. नरेश (2007). भाषाविज्ञान एवं हिंदी, दिल्ली, राजपाल एण्ड सन्स । • शर्मा, प्रो० देवेन्द्र नाथ (1966). भाषाविज्ञान की भूमिका, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन । • सिंह, कृपाशंकर सिंह सहाय, चतुर्भुज (2000). आधुनिक भाषा विज्ञान, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस । • हिंदी कार्यान्वयन निदेशालय. देवनागरी लिपि का मानकीकरण, दिल्ली, हिंदी कार्यान्वयन निदेशालय। • गुप्त डॉ मोतीलाल (2017). आधुनिक भाषा विज्ञान , जयपुर, रिसर्च पब्लिकेशन । • भट्ट राजनाथ (2003). भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा ,निर्मल पब्लिशिंग हाउस। • भालोडिया, डॉ. मित्तल जे. (2019). हिंदी भाषा का स्वरूप एवम् विकास जयपुर, पैराडाइज पब्लिशिंग। • दास ,डॉ.श्याम सुंदर (2013). भाषा विज्ञान, दिल्ली, अतुल्य पब्लिकेशन। • अग्रवाल मुकेश (2015). भाषा लोक ,नई दिल्ली, स्वराज प्रकाशन।			

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	1		1		2	2		1	3	2
CLO ₂	3	2	2	1			1	3	1			3	1
CLO ₃	3	1	3	2	2		2	2	2	2		3	3
CLO ₄	3	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	3	3

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	06
Entrepreneurship	06
Skill Enhancement	08
Communication Development	06
Indian Knowledge System	22
Environmental Awareness/SDGs	04
Current Issues and Social Awareness	08
Gender issues	04
Public policies	02
Any Other	

Handwritten signature

Handwritten signature

शकुंतला

Part A – Introduction

Name of Subject	एम. ए. हिंदी		
Semester	प्रथम सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	हिंदी नाटक एवं रंगमंच		
Course Code	26L6.0-HIN-105		
Course Type	CC-5		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	नाटक-रंगमंच की मूल अवधारणा, नाट्य भेद और हिंदी नाटक व रंगमंच के ऐतिहासिक विकास तथा आधुनिक प्रयोगधर्मिता की समझ।	
	CLO ₂	'अंधेर नगरी' और 'ध्रुवस्वामिनी' के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, राष्ट्रीय चेतना और स्त्री-अस्मिता का विश्लेषण।	
	CLO ₃	'आषाढ़ का एक दिन' और 'अंधायुग' के संदर्भ में आधुनिक जीवन के तनाव, अस्तित्व के संकट और युद्धोत्तर नैतिक हास का मूल्यांकन।	
	CLO ₄	'सिन्दूर की होली' और 'शिवधनुष' नाटकों के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक यथार्थ, मानवीय संबंधों की जटिलता और नाट्य-प्रयोगों की समीक्षा।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		

[Signature]

[Signature]

शकुंतला

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter:

The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	नाटक और रंगमंच : अवधारणा और स्वरूप हिंदी नाटक : उद्भव और विकास हिंदी रंगमंच : उद्भव और विकास हिंदी नाटक : आधुनिकता बोध और प्रयोगधर्मिता नाटक और रंगमंच का अंतः सम्बन्ध नाट्य भेद निर्देशक, अभिनेता	1	15
II	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : अंधेर नगरी जयशंकर प्रसाद : ध्रुवस्वामिनी	2	15
III	मोहन राकेश : आषाढ का एक दिन धर्मवीर भारती : अंधायुग	3	15
IV	लक्ष्मी नारायण मिश्र : सिन्दूर की होली चन्द्रशेखर : शिवधनुष	4	15
Total Contact hours			60

Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks
• Class Participation:	5	Written Examination: 70
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10	
• Mid-Term Exam:	15	

Part C-Learning Resources

Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):

Instructions

- ओझा, दशरथ (1961). हिंदी नाटक: उद्भव और विकास, नई दिल्ली, राजपाल एंड सन्स।

मंजुषी

शकुंतला

- तनेजा, जयदेव (2010). आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- तनेजा, जयदेव (2004). मोहन राकेश: रंग शिल्प एवं प्रदर्शन, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- भारती, धर्मवीर (1955). अंधायुग, नई दिल्ली: किताब घर।
- भारतेन्दु, अशोक (1881/पुनर्मुद्रित). अंधेर नगरी, नई दिल्ली, अशोक प्रकाशन।
- रस्तोगी, गिरीश (1993). हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, इलाहाबाद (प्रयागराज), लोकभारती प्रकाशन।
- रस्तोगी, गिरीश (1983). मोहन राकेश और उनके नाटक, इलाहाबाद (प्रयागराज), लोकभारती प्रकाशन।
- शर्मा, रामविलास (1949). प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- शर्मा, रामविलास (1977). भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्या, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- शर्मा, रामविलास (1968). भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की समस्या, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- शुक्ल, रामचंद्र (1929/पुनर्मुद्रित). हिंदी साहित्य का इतिहास, नई दिल्ली, प्रकाशन विभाग।
- शेखर, चन्द्रशेखर (1998). शिवधनुष, नई दिल्ली, आत्माराम एंड सन्स।
- सिंह, बच्चन (1968). हिंदी नाटक, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- हिंदी अकादमी. (1990). नाटक दशक, दिल्ली, हिंदी अकादमी।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	1				3	2			3	1
CLO ₂	3	2	2	3	1	3		2	2	2		3	2
CLO ₃	3	3	2	3		3		3	3	2		3	1
CLO ₄	3	2	2	3	2	3	1	3	2	2	2	3	2

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	06
Entrepreneurship	06
Skill Enhancement	08
Communication Development	08
Indian Knowledge System	12
Environmental Awareness/SDGs	02
Current Issues and Social	12

Signature

Signature

शकुंतला

Awareness	
Gender issues	08
Public policies	02
Any Other	02

Handwritten signature

Handwritten signature

शकुंतला

Part A – Introduction			
Name of Subject	एम.ए हिंदी		
Semester	प्रथम सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	कबीरदास		
Course Code	24L6.0-HIN-106		
Course Type	DEC-1		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs,) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	कबीर के समय, प्रासंगिकता, भक्ति भावना, भाषा और 'कबीर के राम' की वैचारिक समझ विकसित करना।	
	CLO ₂	कबीर की क्रांति चेतना, मानवतावादी दृष्टि, स्त्री-विषयक चिंतन और उनके पारिभाषिक शब्दों के दार्शनिक अर्थ को समझना।	
	CLO ₃	श्यामसुन्दर दास द्वारा संपादित 'कबीर ग्रंथावली' के निर्धारित 30 पदों की साहित्यिक व्याख्या और विश्लेषण करने की क्षमता पाना।	
	CLO ₄	'साखी' के विभिन्न अंगों के माध्यम से कबीर के नैतिक, आध्यात्मिक और व्यावहारिक संदेशों का मूल्यांकन करना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		
Part B- Contents of the Course			
Instructions for Paper- Setter: The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will			

अमिताभ मजु

शकुंतला

be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	कबीर का समय कबीर की प्रासंगिकता कबीर का रहस्यवाद कबीर की भक्ति भावना कबीर की भाषा कबीर का स्त्री-विषयक चिंतन कबीर की मानवतावादी दृष्टि कबीर के पारिभाषिक शब्द अलख, सहज, शून्य, निरंजन, अजपाजाप, अनहदनाद, सुरति निरति, नाद बिन्दु, औंधा कुँआ	1	15
II	साखी:- गुरुदेव कौ अंग -1, 2, 4, 9, 11, 12, 13, 15, 20, 34 (10) बिरह कौ अंग - 3, 6, 11, 12, 18, 22, 25, 27, 29, 33 (10) निहकर्म पतिव्रता कौ अंग - 2, 3, 4, 5, 6, 9, 14, 15, 16, 28 (10) माया कौ अंग - 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 17, 20, (10) कुसंगति कौ अंग संगति कौ अंग साध कौ अंग विचार कौ अंग कस्तूरियां मृग कौ अंग	2	15
III	कबीर ग्रंथावली: सं० श्यामसुन्दर दास (निर्धारित 30 पद) निर्धारित पद : 1, 8, 14, 16, 21, 23, 24, 34, 39, 41, 42, 43, 49, 57, 59, 60, 61,	3	15

Signature

Signature

शकुंतला

	64, 80, 89, 91, 92, 111, 117, 129, 132, 136, 139, 153, 156		
IV	रमैणी . राग सूहौ सतपदी रमैणी अष्टपदी रमैणी बारहपदी रमैणी	4	15
Total Contact hours			60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
• बड़धवाल, पीताम्बर दत्त (1950).हिंदी काव्य में निर्गुणधारा, लखनऊ, अवध पब्लिशिंग हाउस। • भारती, डॉ. कैवल (2015).कबीर : एक विश्लेषण, कानपुर, क्वालिटी बुक्स पब्लिशर्स। • चतुर्वेदी, परशुराम (1951).उत्तरी भारत की सन्त-परम्परा, इलाहाबाद, भारती भण्डार। • चतुर्वेदी, परशुराम (1954). कबीर साहित्य की परख,इलाहाबाद,भारती भण्डार। • दास, डॉ. श्यामसुंदर (2011). कबीर ग्रंथावली, इलाहाबाद,लोकभारती प्रकाशन। • डॉ. धर्मवीर (2008) कबीर : नई सदी में तीन, कबीर : बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी, नई दिल्ली,वाणी प्रकाशन • द्विवेदी, हजारीप्रसाद (1942). कबीर,नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • कुमार, डॉ. मनोज सिंह (2014). भक्ति आंदोलन और हिंदी आलोचना, दिल्ली,अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, • मिश्र, डॉ. सचिन (2017).कबीर साहित्य में जीव एवं ब्रह्म का सम्बन्ध, नई दिल्ली,प्रगतिशील प्रकाशन • पाणि, डॉ. वीणा (2012).कबीर दर्शन और दृष्टि, दिल्ली,देव प्रकाशन, • शर्मा, डॉ. ब्रज भूषण (2008).कबीर चिंतन, नई दिल्ली,वाणी प्रकाशन • शर्मा, प्रो. सरनाम सिंह (2011). कबीर व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धांत भाग - (1) दिल्ली,कल्पना			

अभिषेक

मंजुषी

शकुंतला

प्रकाशन।

- सिंह, राजदेव (1984). हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर, दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- तिवारी, रामचन्द्र (2007). कबीर मीमांसा इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- त्रिगुणायत, गोविंद (1953). कबीर की विचारधारा, कानपुर, साहित्य निकेतन।
- वर्मा, रामकुमार (1944). संत कबीर. इलाहाबाद, साहित्य भवन।
- के. थामस, डॉ. सोलजी (2010). कबीर का सच, दिल्ली, नवचेतन प्रकाशन।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3		2					2	3			3	
CLO ₂	3			3		3		3		2		3	
CLO ₃	3	3	2									3	2
CLO ₄	3		2	2				2	3	3		3	

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	04
Entrepreneurship	04
Skill Enhancement	06
Communication Development	06
Indian Knowledge System	18
Environmental Awareness/SDGs	02
Current Issues and Social Awareness	10
Gender issues	04

Handwritten signature

Handwritten signature

शकुंतला

Part A - Introduction			
Name of Subject	एम.ए. हिंदी		
Semester	प्रथम सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	तुलसीदास		
Course Code	26L6.0-HIN-107		
Course Type	DEC -1		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs,) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	भक्तियुगीन पृष्ठभूमि, रामकाव्य-परम्परा और तुलसीदास के समाज दर्शन की समझ विकसित करना।	
	CLO ₂	तुलसीदास की लोकमंगल-समन्वय भावना, काव्य की प्रासंगिकता और उनके भाषा-सौंदर्यबोध का विश्लेषण करना।	
	CLO ₃	'रामचरितमानस' (उत्तरकाण्ड: 81-130) के दोहे-चौपाइयों की व्याख्या और साहित्यिक मूल्यांकन करना।	
	CLO ₄	विनय पत्रिका' के निर्धारित 10 छंदों की व्याख्या तथा तुलसीदास की भक्ति-भावना को समझना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		
Part B- Contents of the			

अभिषेक मेहता

शकुंतला

Course			
Instructions for Paper- Setter: The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.			
Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और तुलसीदास रामकाव्य-परम्परा और तुलसीदास तुलसी का समाज दर्शन तुलसीदास की लोकमंगल एवं समन्वय की भावना तुलसी काव्य की प्रासंगिकता तुलसीदास की भाषा एवं सौंदर्यबोध	1	15
II	रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर) उत्तरकाण्ड - 81 से 130 तक (दोहे, चौपाइयाँ)	2	15
III	विनयपत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर) निर्धारित छंद 71,72,76,77,79,90,102,105,111,115, (10 छंद)	3	15
IV	कवितावली :- (गीता प्रेस गोरखपुर) बालकांड - 1, 3, 4 अयोध्या कांड - 5,11, 12 सुन्दरकांड - 5, 10, उत्तरकांड - 28, 31, 36, 39, 58, 81, 90.	4	15
Total Contact hours			60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		

Part C-Learning Resources**Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):****Instructions**

- गुप्त, माताप्रसाद (1965). गोस्वामी तुलसीदास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन ।
- तिवारी, अजय (2004). तुलसीदास, पंचकूला, आधार प्रकाशन ।
तिवारी, डॉ. अजय (2011). तुलसीदास : एक पुनर्मूल्यांकन, पंचकूला, आधार प्रकाशन।
- त्रिपाठी, राममूर्ति (1976). तुलसी, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन ।
- त्रिपाठी, विश्वनाथ (1991). लोकवादी तुलसीदास, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन ।
- नगेन्द्र. (1983). तुलसी संदर्भ, दिल्ली, वाणी प्रकाशन ।
- पांडेय, डॉ. रत्नाकर (2008). तुलसीदास और उनका संदेश, दिल्ली स्वराज प्रकाशन।
- प्रसाद, बैजनाथ (2007). भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचंद्र शुक्ल, पटना, विशाल पब्लिकेशंस।
- प्रसाद, डॉ. होसिला सिंह (2006). तुलसी : शास्त्र एवं अवधारणाएं, दिल्ली, संजय प्रकाशन।
- मेघ, डॉ. रमेश कुंतल (2007). तुलसी : आधुनिक वातायन से, नई दिल्ली, राधा कृष्ण प्रकाशन
- मिश्र, शिवकुमार (1991). भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन ।
- वर्मा, हितेन्द्र (2012). भक्ति, नीति और दर्शन, पंचकूला, आधार प्रकाशन ।
- शुक्ल, रामचंद्र (1923). गोस्वामी तुलसीदास, वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा।
- सिंह, उदयभानु (1961). तुलसी दर्शन मीमांसा, वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा ।
- सिंह, डॉ. मदनमोहन (2012). तुलसी साहित्य में लोकतत्व, नई दिल्ली, आयुष्मान पब्लिकेशन हाउस ।
- सिंह, डॉ. पुष्पाल (2012). रूपक तुलसीदासस्य, दिल्ली, विजया बुक्स
- उपाध्याय, डॉ. महेश (2013). तुलसी पंचशती, दिल्ली, यथार्थ पब्लिकेशन्स।
- यादव, डॉ. लक्ष्मण (2014). तुलसीदास : आज के आलोचकों की नज़र में (कुछ महत्वपूर्ण साक्षात्कार), दिल्ली, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)**& Program Specific Outcomes (PSOs)**

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	2	1	3		3	2	2	2	3	1
CLO ₂	3	2	2	3	2	3		3	3	2	1	3	2

Signature *मंजू*

शकुंतला

CLO,	3	2	3	2	1	2	1	2	2	3	1	3	2
CLO,	3	2	3	2	1	2	1	2	2	3	1	3	2

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	06
Entrepreneurship	06
Skill Enhancement	08
Communication Development	06
Indian Knowledge System	22
Environmental Awareness/SDGs	04
Current Issues and Social Awareness	08
Gender Issues	04
Public policies	02

प्रथम सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्न पत्र
संगोष्ठी (Seminar)

26L6.0-HIN-108

पूर्णांक: 50 अंक

(Signature)

(Signature)

शकुंतला

Part A - Introduction			
Name of Subject	एम. ए. हिंदी		
Semester	द्वितीय सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	आधुनिक हिंदी कविता-1		
Course Code	26L6.0-HIN-201		
Course Type	CC-6		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	आधुनिक हिंदी कविता, नवजागरण और छायावाद की प्रवृत्तियों को समझना।	
	CLO ₂	भारतेंदु, गुप्त और प्रसाद की रचनाओं में निहित राष्ट्रीय व सांस्कृतिक चेतना का विश्लेषण करना।	
	CLO ₃	निराला और पंत की कविताओं के शिल्प, दर्शन और प्रकृति-चित्रण का मूल्यांकन करना।	
	CLO ₄	महादेवी वर्मा की वेदना/रहस्यवाद और दिनकर के काव्य के सामाजिक संदर्भों को रेखांकित करना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		
Part B- Contents of the			

अनुमोदित

मंजूर

शकुंतला

Course

Instructions for Paper- Setter:

The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	आधुनिकता की अवधारणा और हिंदी कविता में आधुनिकता हिंदी नवजागरण भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता राष्ट्रीय काव्यधारा छायावाद; की पृष्ठभूमि छायावाद की प्रवृत्तियाँ छायावाद के प्रमुख कवि छायावादोत्तर काव्य	1	15
II	निर्धारित कविताएं भारतेन्दु हरिश्चन्द्र - निज भाषा उन्नति अहै मैथिलीशरण गुप्त - भारत भारती (वर्तमान खंड) जयशंकर प्रसाद - कामायनी (श्रद्धा सर्ग)	2	15
III	निर्धारित कविताएं निराला : राम की शक्ति पूजा सुमित्रानंदन पंत : भारत माता, नौका विहार, प्रथम रश्मि	3	15
IV	महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे दिनकर : रश्मिरथी - षष्ठ सर्ग	4	15
Total Contact hours			60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:		5	Written Examination: 70

Handwritten signature

Handwritten signature

शकुंतला

• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10
• Mid-Term Exam:	15
Part C-Learning Resources	
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):	
Instructions	
• उपध्याय, देवराज (1970). छायावाद का पतन, छपरा, बिहार, श्री विद्यापति प्रकाशन। • चतुर्वेदी, रामस्वरूप (1997). कामायनी: एक पुनर्मूल्यांकन, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, लोकभारती प्रकाशन। • तलवार, वीरभारत (1990). राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य, नई दिल्ली, किताब घर प्रकाशन। • त्रिपाठी 'निराला', सूर्यकांत (1949). पंत और पल्लव, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, गंगा ग्रंथागार। • दिनकर, रामधारी सिंह (1973). आधुनिकता बोध, नई दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस। • नवल, नंदकिशोर (2007). आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ। • पाण्डेय, मुकुटधर (1974). हिंदी में छायावाद, हापुड़, उत्तर प्रदेश, तिरुपति प्रकाशन। • प्रसाद, जयशंकर (1940). काव्य और कला पक्ष तथा अन्य निबंध, नई दिल्ली, लोकभारती प्रकाशन। • प्रसाद, कमला (1994). आधुनिक हिंदी कविता, दिल्ली, वाणी प्रकाशन। • बाजपेयी, नंददुलारे (1941). जयशंकर प्रसाद, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारती भण्डार। • मुक्तिबोध, गजानन माधव (1961). कामायनी: एक पुनर्विचार, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • राय, महेन्द्रनाथ (2012). छायावाद और नवजागरण, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन। • बाजपेयी, कृष्णदत्त (सं.) (1965). हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास (खण्ड-8,9,10) वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा। • शर्मा, रामविलास (1977). महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • शर्मा, रामविलास (1986). निराला की साहित्य साधना (भाग 1, 2, 3). नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • शाह, रमेशचंद्र (1998). छायावाद की प्रासंगिकता, बीकानेर, राजस्थान, वाग्देवी पॉकेट बुक्स। • सिंह, केदारनाथ (1962). कल्पना और छायावाद, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। • सिंह, दूधनाथ. (1968). निराला : एक आत्महंता आस्था. इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन। • सिंह, दूधनाथ (1995). महादेवी वर्मा. नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। • सिंह, नामवर (1955). छायावाद. नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।	

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes

32

Signature

Signature

शकुंतला

**(PLOs)
& Program Specific Outcomes (PSOs)**

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	1	2	2		1		3	2	2		3	1
CLO ₂	2	2	3	2	1	2		2	2	2	1	3	2
CLO ₃	2	2	2	3		1		2	2	1		3	1
CLO ₄	3	2	2	3	1	3		3	2	2	1	3	2

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	06
Entrepreneurship	06
Skill Enhancement	08
Communication Development	10
Indian Knowledge System	14
Environmental Awareness/SDGs	04
Current Issues and Social Awareness	08
Gender issues	06
Public policies	02
Any Other	02

Handwritten signature

Handwritten signature

शकुंतला

Part A - Introduction			
Name of Subject	एम. ए. हिंदी		
Semester	द्वितीय सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)		
Course Code	26L6.0-HIN-202		
Course Type	CC-7		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	हिंदी गद्य के उद्भव, सांस्कृतिक नवजागरण (1857 की क्रांति, भारतेन्दु व द्विवेदी युग) और राष्ट्रवादी-स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना।	
	CLO ₂	छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियों तथा प्रमुख कवियों के साहित्यिक योगदान का विश्लेषण करना।	
	CLO ₃	हिंदी की प्रमुख गद्य विधाओं-कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध और आलोचना के उद्भव, विकास और उनकी संरचनात्मक विशेषताओं का मूल्यांकन करना।	
	CLO ₄	कथेतर विधाओं (आत्मकथा, जीवनी, यात्रा वृत्त आदि), प्रवासी साहित्य, पत्र-पत्रिकाओं और आधुनिक अस्मितावादी विमर्शों (स्त्री, दलित, आदिवासी, किसान, पर्यावरण) की आलोचनात्मक समझ विकसित करना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4

Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter:

The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	हिंदी गद्य का उद्भव और विकास 1857 की क्रांति और सांस्कृतिक नवजागरण भारतेंदुमंडल और उनका युग महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : प्रमुख गद्य लेखक राष्ट्रवादी एवं स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा के कवियों का परिचय	1	15
II	छायावाद के प्रमुख कवि, काव्य और प्रवृत्तियाँ प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और काव्य प्रयोगवाद के मुख्य कवि और काव्य नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख कवि	2	15
III	(हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास -1) कहानी और उपन्यास नाटक और एकांकी निबन्ध आलोचना	3	15
IV	(हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास	4	15

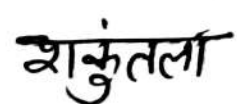
Signature

Signature

शकुंतला

	-2) आत्म कथा ,जीवनी , संस्मरण , रेखाचित्र रिपोर्ताज, यात्रा , साहित्य, डायरी हिंदी का प्रवासी साहित्य प्रमुख अस्मितावादी विमर्श (स्त्री ,दलित, आदिवासी, किसान, पर्यावरण) पत्र पत्रिकाएँ		
	Total Contact hours		60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
- कार, ई. एच. (1997). इतिहास क्या है, नई दिल्ली, मैकमिलन प्रकाशन। - चतुर्वेदी, रामस्वरूप (1986). हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन। - द्विवेदी, हजारीप्रसाद (1952). हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। - पाण्डेय, मैनेजर (2013). उपन्यास और लोकतंत्र, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। - पाण्डेय, मैनेजर (2000). हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। - प्रधान, अवधेश (2012). हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। - मीणा, हरिराम (2014). आदिवासी साहित्य का इतिहास, नई दिल्ली, प्रभात प्रकाशन। - शुक्ल, रामचंद्र (1929). हिंदी साहित्य का इतिहास, वाराणसी ,नागरी प्रचारिणी सभा। - शर्मा, रामविलास (1977). महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। - सिंह, नामवर (1981). आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। - सिंह, नामवर (1968). कविता के नए प्रतिमान, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन । - सिंह, नामवर (1957). छायावाद, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन ।			





- सिंह, बच्चन (1996). हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	2		1		2	2			3	1
CLO ₂	3	2	2	2	1	2		2	2			3	1
CLO ₃	3	2	2	3		1		1	2			3	2
CLO ₄	3	3	2	3	1	3	1	3	3	2	1	3	2

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	06
Entrepreneurship	06
Skill Enhancement	06
Communication Development	06
Indian Knowledge System	10
Environmental Awareness/SDGs	05
Current Issues and Social Awareness	10
Gender issues	10
Public policies	03
Any Other	04

अध्यक्ष

मुख्य

शकुंतला

Part A - Introduction

Name of Subject	एम.ए. हिंदी		
Semester	द्वितीय सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	कथेतर हिंदी साहित्य		
Course Code	26L6.0-HIN-203		
Course Type	CC-8		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	हिंदी गद्य के उद्भव, ऐतिहासिक विकास (फोर्ट विलियम कॉलेज से द्विवेदी युग तक) और इसकी विभिन्न विधाओं के इतिहास को समझ सकेंगे।	
	CLO ₂	प्रमुख निबंधकारों के विचारों का विश्लेषण कर हिंदी निबंध विधा की वैचारिक व आलोचनात्मक गहराई का मूल्यांकन कर सकेंगे।	
	CLO ₃	संस्मरण और आत्मकथा विधाओं के माध्यम से कथेतर (Non-fiction) गद्य की बारीकियों और आत्म-अभिव्यक्ति की शैली को रेखांकित कर सकेंगे।	
	CLO ₄	जीवनी एवं यात्रा-साहित्य के साहित्यिक तत्वों का अध्ययन कर दोनों विधाओं की लेखन शैली और सांस्कृतिक संदर्भों का विश्लेषण कर सकेंगे।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3HOURS		
Part B- Contents of the			

अभिषेक

मंजुषी

शकुंतला

Course

Instructions for Paper- Setter:

The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	हिंदी गद्य की निर्माणभूमि: फोर्ट विलियम कॉलेज आधुनिकता और गद्य का अंतर्सम्बन्ध भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्यकारों का योगदान: गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खाँ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारे हिंद, राजा लक्ष्मण सिंह हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का योगदान हिंदी निबंध रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण, रिपोर्टाज, आत्मकथा, जीवनी, डायरी, व्यंग्य और लघुकथा लेखन की परंपरा का संक्षिप्त अध्ययन	1	15
II	निबंध बालकृष्ण भट्ट : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है हजारी प्रसाद द्विवेदी : नाखून क्यों बढते हैं अध्यापक पूर्ण सिंह : मजदूरी और प्रेम धर्मवीर भारती : मानव मूल्य और साहित्य	2	15
III	संस्मरण महादेवी वर्मा: (अतीत के चलचित्र) - रामा, बिन्दा, घीसा लछमा, सबिया, आत्मकथा : हरिवंश राय बच्चन: क्या भूलू क्या याद करू	3	15
IV	जीवनी विष्णु प्रभाकर: आवारा मसीहा का	4	15

(Signature)

(Signature)

शकुंतला

अंश -पहला पर्व यात्रावृत्तान्त अज्ञेयः अरे यायावर रहेगा याद			
Total Contact hours			60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
- Recommended Books/e-resources/LMS: - चतुर्वेदी, रामस्वरूप (1986). हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन। - तिवारी, पुष्पपाल (2002). हिंदी गद्य इधर की उपलब्धियां, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। - तिवारी, रामचंद्र (1992). हिंदी गद्य का इतिहास, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन। - तिवारी, रामचंद्र (संपा.). (2000). श्रेष्ठ निबंध, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। - मिश्र, दयानिधि (2008). हिंदी कथेतर गद्य, परंपरा और प्रयोग, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। - वर्मा, महादेवी (1941). अतीत के चलचित्र, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन। - राजे, सुमन (2003). हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन। - शम्भुनाथ (संपा.). (2004). सामाजिक क्रान्ति के दस्तावेज, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। - शर्मा, रामविलास (1975). भारतेन्दु युग और हिंदी गद्य की विकास परम्परा, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। - शास्त्री, प्रभात (संपा.). (1991). सरदार पूर्ण सिंह अध्यापक के निबंध, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन। - सिंह, बच्चन (1996). हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, नई दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस। - सिंह, नामवर (संपा.). (1993). संकलित निबंध, नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट। - सिंह, विजयमोहन (1998). आधुनिक हिंदी गद्य का विकास और विश्लेषण, नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ।			

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

40

Signature

Signature

शकुंतला

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	1		2		3	3	2		3	1
CLO ₂	3	2	3	3	1	3		3	2	2		3	2
CLO ₃	3	3	3	2	1	3		2	3	2		3	2
CLO ₄	3	2	3	2	1	2		2	3	2		3	3

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	08
Entrepreneurship	08
Skill Enhancement	08
Communication Development	10
Indian Knowledge System	12
Environmental Awareness/SDGs	02
Current Issues and Social Awareness	10
Gender issues	06
Public policies	02
Any Other	02

G. Mahalingam

मेजर

शकुंतला

न			
Part A - Introduction			
Name of Subject	एम.ए. हिंदी		
Semester	द्वितीय सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	भारतीय काव्यशास्त्र		
Course Code	26L6.0-HIN-204		
Course Type	CC-9		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs,) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	काव्य के अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रयोजन और इसके विभिन्न भेदों (महाकाव्य, खण्डकाव्य आदि) को समझना।	
	CLO ₂	रस-सिद्धान्त, रस की परिभाषा, स्वरूप, रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण की व्याख्या करना।	
	CLO ₃	अलंकार, रीति और वक्रोक्ति सिद्धान्त के स्वरूप तथा उनकी शास्त्रीय स्थापनाओं का विश्लेषण करना।	
	CLO ₄	ध्वनि और औचित्य सिद्धान्त के मूल स्वरूप तथा उनकी साहित्यिक स्थापनाओं का मूल्यांकन करना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3HOURS		
Part B- Contents of the Course			
Instructions for Paper- Setter:			
The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will			

अभिषेक

मंजु

शकुंतला

be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	काव्य: अर्थ और परिभाषा, काव्य के तत्व काव्य: स्वरूप और प्रकार काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन काव्य-भेद: महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य	1	15
II	रस-सिद्धान्त रस: परिभाषा तथा स्वरूप रस-निष्पत्ति साधारणीकरण अलंकार सिद्धान्त: स्वरूप तथा स्थापनाएँ	2	15
III	रीति सिद्धान्तरू स्वरूप तथा स्थापनाएँ वक्रोक्ति सिद्धान्तरू स्वरूप तथा स्थापनाएँ	3	15
IV	ध्वनि सिद्धान्त: स्वरूप तथा स्थापनाएँ औचित्य सिद्धान्त: स्वरूप तथा स्थापनाएँ	4	15
Total Contact hours			60

Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks
• Class Participation:	5	Written Examination: 70
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10	
• Mid-Term Exam:	15	

Part C-Learning Resources

Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):

Instructions

- अमरनाथ (2009). हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- गुलाबराय (1953). काव्य के रूप, दिल्ली, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर।
- चौधरी, सत्यदेव (1974). भारतीय काव्यशास्त्र, नई दिल्ली, अलंकार प्रकाशन।
- चौधरी, सत्यदेव (2012) भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नई दिल्ली, नमन प्रकाशन।
- टंडन प्रेमकांत (2010) साधारणीकरण और सौंदर्यानुभूति के प्रमुख सिद्धांत, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।

Handwritten signature

मंजु ५४

शकुंतला

- 'नलिन', जयनाथ (1980). साहित्य का आधार दर्शन, भिवानी, आलोक प्रकाशन।
- बाली, डॉ तारक नाथ, भारतीय काव्यशास्त्र (2002) नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- मिश्र, भागीरथ (1969). काव्यशास्त्र, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- मिश्र, भागीरथ (1951). हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास, लखनऊ, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- मिश्र, भगवत स्वरूप (1985). हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास, देहरादून, साहित्य सदन।
- मिश्र, सत्यदेव (2002) पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन, दिल्ली, लोकभारती प्रकाशन।
- शर्मा, डॉ मनीषा (2021) काव्य शास्त्र विवेचन, जयपुर, अपोलो प्रकाशन।
- सिंह, बच्चन (1988). आलोचक और आलोचना, दिल्ली, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- सिंह, योगेन्द्र प्रताप (1998). भारतीय काव्यशास्त्र, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- सिन्हा, सुरेश (1978). हिंदी आलोचना का विकास, लखनऊ, रामा प्रकाशन।
- वर्मा, डॉ हरिश्चंद्र (2005) भारतीय काव्यशास्त्र, पंचकुला, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।
- झारी, डॉ कृष्णदेव (2024) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत, दिल्ली, बाल साहित्य प्रकाशन।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	1	2				3	2	1		3	1
CLO ₂	3	3	1	2				3	2	1		3	1
CLO ₃	3	2	1	2				3	2	1		3	1
CLO ₄	3	2	1	2				3	2	2		3	1

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	05
Entrepreneurship	05
Skill Enhancement	10
Communication Development	05
Indian Knowledge System	40

शकुंतला

अभिषेक मजु

Part A - Introduction			
Name of Subject	एम.ए. हिंदी		
Semester	द्वितीय सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	जनसंचार माध्यम एवं हिंदी		
Course Code	26L6.0-HIN-205		
Course Type	*CC/SEC-10		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs), After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	जनसंचार की अवधारणा, प्रमुख सिद्धांतों और हिंदी के साथ इसके संबंधों को समझना।	
	CLO ₂	प्रिंट मीडिया के स्वरूप को जानना और संपादकीय व फीचर लेखन कौशल विकसित करना।	
	CLO ₃	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टीवी, रेडियो, फिल्म) के लिए लेखन और एंकरिंग-रिपोर्टिंग की प्रस्तुति सीखना।	
	CLO ₄	सोशल मीडिया की भाषा और ई-कॉमर्स व ई-बिजनेस में हिंदी के डिजिटल अनुप्रयोगों का ज्ञान प्राप्त करना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		
Part B- Contents of the Course			
Instructions for Paper- Setter: The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.			

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	जनसंचार : अवधारणा, स्वरूप और विकास जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्त और सिद्धान्तकार जनसंचार और हिंदी	1	15
II	प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि) प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय, फीचर आदि) प्रिंट मीडिया की भाषा	2	15
III	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का स्वरूप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए लेखन (टी०वी०, रेडियो, फिल्म आदि) कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु लेखन (समाचार चैनल, रिपोर्टिंग, मनोरंजन, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन, एंकरिंग आदि)	3	15
IV	सोशल मीडिया और हिंदी ई-कामर्स, ई-बिजनेस, ई-पत्रिका आदि सोशल मीडिया की भाषा	4	15
Total Contact hours			60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
• कुमार, चंद्र (2013). जनसंचार माध्यमों में हिंदी, दिल्ली, क्लासिक पब्लिकेशन।			
• जोशी, मनोहर श्याम (2000). पटकथा लेखन एक परिचय, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।			

अभिषेक मजु

शकुंतला

- जोशी, पी. सी. (1993). संस्कृति विकास और संचार क्रांति, नई दिल्ली, ग्रंथ शिल्पी।
- जोशी, रामशरण (2010). पत्रकारिता में अनुवाद, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- जोशी, रामशरण (2008). साक्षात्कार सिद्धान्त एवं व्यवहार, नई दिल्ली, शिल्पायन।
- जैन, रमेश (2010). इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन, पंचकूला, आधार प्रकाशन।
- तिवारी, अर्जुन (1997). हिंदी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- तिवारी, रामचंद्र (2005). पत्रिका संपादन कला, दिल्ली, आलेख प्रकाशन।
- त्रिखा, नंद किशोर (1988). समाचार संकलन एवं लेखन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान।
- पाण्डेय, आशा (2016). हिंदी विज्ञापन की भाषा, दिल्ली, ब्लैकी एंड एन पब्लिकेशंस।
- सिंह, जगदीप (2015). इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया, दिल्ली, नेशनल प्रेस।
- सुमन, स्वर्ण (2018). सोशल मीडिया कल, आज और कल, नई दिल्ली, साहित्यागार।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	3	1	1	2	1	2	3	3	1	3	2
CLO ₂	2	2	3	2	2	2	2	1	3	3	2	2	3
CLO ₃	2	2	3	2	3	2	3	1	3	3	3	2	3
CLO ₄	2	1	3	2	2	2	3	1	3	3	2	1	3

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	08
Entrepreneurship	08
Skill Enhancement	08
Communication Development	10
Indian Knowledge System	12
Environmental Awareness/SDGs	02
Current Issues and Social Awareness	10
Gender issues	06
Public policies	02
Any Other	02

शकुंतला

अभिषेक

मंजु

Part A - Introduction			
Name of Subject	एम. ए. हिंदी		
Semester	द्वितीय सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	(प्रेमचन्द)		
Course Code	26L6.0-HIN-206		
Course Type	DEC -2		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs,) After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	प्रेमचन्द के साहित्य की वैचारिक दृष्टि, पत्रकारिता और उनके युगीन यथार्थ (किसान, स्त्री व दलित विमर्श) का विश्लेषण करना।	
	CLO ₂	उपन्यास 'रंगभूमि' के सामाजिक-राजनीतिक सरोकारों, कथ्य और शिल्प की समीक्षा करना।	
	CLO ₃	प्रेमचन्द की प्रतिनिधि कहानियों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं, मानवीय संवेदनाओं और कथा-शिल्प का मूल्यांकन करना।	
	CLO ₄	प्रेमचन्द के निबंधों के आधार पर राष्ट्रभाषा, शिक्षा प्रणाली और लोकहित से जुड़े उनके वैचारिक चिंतन को समझना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3HOURS		
Part B- Contents of the Course			
Instructions for Paper- Setter:			
The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.			
Unit	Topics	CLO/s	Contact Hours

		Attempt	
I	राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द प्रेमचन्द की साहित्य दृष्टि प्रेमचन्द और पत्रकारिता प्रेमचन्द और किसान प्रेमचन्द: स्त्री एवं दलित प्रश्न प्रेमचन्द की कथा भाषा प्रेमचन्द का आदर्श और यथार्थ	1	15
II	उपन्यास: रंगभूमि	2	15
III	कहानियाँ: बड़े घर की बेटी, कफन, दुनिया का अनमोल रतन, यही मेरा वतन है, मंत्र, नमक का दारोगा	3	15
IV	निबंध एवं लेख: साहित्य का उद्देश्य, राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी समस्याएं, हिन्दू सभ्यता और लोकहित, स्वामी श्रद्धानंद और भारतीय शिक्षा प्रणाली,	4	15
Total Contact hours			60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
• अमृतराय(1962). कलम का सिपाही, नई दिल्ली, साहित्य अकादमी। • मदान, इंद्रनाथ (संपा.). (1976). प्रेमचंद चिंतन और कला, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। • मदान, इंद्रनाथ प्रेमचंद एक विवेचन, 1989, दिल्ली , राधाकृष्ण प्रकाशन। • वर्मा, डॉ आशा प्रेमचंद का कथेतर साहित्य, 2010, कानपुर , सरस्वती प्रकाशन। • सूर्यवंशी, प्रा. अनिल, प्रेमचंद के साहित्य में दलित एवं नारी विमर्श, 2018, कानपुर ,			

अमृतराय

मंजु कृष्ण

शकुंतला

विद्या प्रकाशन।

- निनामा, डॉ कानुभाई विछियाभाई, प्रेमचंद के उपन्यास: पुनर्मूल्यांकन, 2011, कानुपर, अभय प्रकाशन
- श्रीवास्तव, जितेंद्र (2018). भारतीय समाज राष्ट्रवाद और प्रेम चन्द. नई दिल्ली, सामयिक प्रकाशन.
- श्रीवास्तव, जितेंद्र, भारतीय समाज की समस्याएं और प्रेमचंद, 2009, दिल्ली, शब्दसृष्टि प्रकाशन
- वाजपेयी, नंददुलारे (1940). प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन, इलाहाबाद/नई दिल्ली, लोकभारती प्रकाशन।
- सिंह, डॉ नागेश्वर और राय, डॉ विद्या(2013) प्रेमचंद के शोषित दलित पात्रों की अन्तर्वेदना, नई दिल्ली, सत्यम पब्लिशिंग हाउस।
- तिवारी, विनोद (2011). नई सदी की दहलीज़ पर, दिल्ली, विजया बुक्स।
- शर्मा, रामविलास (1953). प्रेमचंद और उनका युग, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामबख्श (2000). प्रेमचंद और भारतीय किसान, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- मिश्र, सत्यप्रकाश(संपा.). (2006). प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबंध, इलाहाबाद/नई दिल्ली, लोकभारती प्रकाशन।
- सिंह, शुभा, (2014). प्रेमचंद साहित्य में हाशिए का समाज, नई दिल्ली, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।
- देवी, शिवरानी(1944). प्रेमचंद घर में, वाराणसी, सरस्वती प्रकाशन।
- तिवारी, सं. विश्वनाथ प्रसाद(2002). प्रेमचंद, नई दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- सिंह, चंद्रबली(1985). आलोचना का जनपक्ष, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- प्रेमचंद (1936). मानसरोवर (भाग 1 से 8). नई दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	3	1	3		3					
CLO ₂	3	3	2	3	2	3		2					
CLO ₃	3	2	3	3	2	3		2					
CLO ₄	3	3	3	3	2	3	2	3					

Amal Kumar

मंजुषी

शकुंतला

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	06
Entrepreneurship	06
Skill Enhancement	08
Communication Development	10
Indian Knowledge System	12
Environmental Awareness/SDGs	06
Current Issues and Social Awareness	10
Gender issues	04
Public policies	04

21/01/2021

Signature

Signature

Part A - Introduction			
Name of Subject	एम.ए. हिंदी		
Semester	द्वितीय सेमेस्टर		
Nature of Course	Theory (Lecture+Tutorial)		
Nomenclature of the Course	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'		
Course Code	26L6.0-HIN-207		
Course Type	DEC -2 (ii)		
Course Level	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes (CLOs), After completing this course, the learner will be able to:	CLO ₁	प्रयोगवाद, तार सप्तक और अज्ञेय की कविताओं के वैचारिक पक्ष एवं भाषा-शिल्प का विश्लेषण करना।	
	CLO ₂	अज्ञेय के उपन्यास ('नदी के द्वीप') और कहानियों के मनोवैज्ञानिक व सामाजिक संदर्भों का मूल्यांकन करना।	
	CLO ₃	उनके निबंधों के माध्यम से कला, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक परिवर्तन के अंतर्संबंधों को समझना।	
	CLO ₄	साहित्य की विभिन्न विधाओं (कविता, कहानी, निबंध) के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि और समीक्षात्मक क्षमता विकसित करना।	
	Theory	Practical	Total
Credits	4	0	4
Teaching Hours per week	4	0	4
Internal Assessment Marks	30	0	30
End Term Exam Marks	70	0	70
Max. Marks	100	0	100
Examination Duration (in Hours)	3Hours		
Part B- Contents of the Course			
Instructions for Paper- Setter: The paper setter shall prepare 9 questions selecting two questions from each unit with consideration given to the Course Learning Outcomes. Among these, question number 1 will be compulsory, comprising 7 short answer type questions carrying two marks each (total 14 marks) and covering the entire syllabus. The remaining questions will be carrying 14 marks each. Examinees will be required to attempt five questions: the compulsory question no. 1 and 1 question from the each of the four units.			

शकुंतला

Unit	Topics	CLO/s Attempt	Contact Hours
I	कवि अज्ञेय, तार सप्तक और प्रयोगवाद अज्ञेय के काव्य में प्रेम और सौंदर्यानुभूति अज्ञेय की साहित्य दृष्टि और अस्तित्ववाद अज्ञेय का कथा साहित्य अज्ञेय की भाषा और शिल्प	1	15
II	कविताएँ :असाध्य वीणा, हरी घास पर क्षण भर, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, कितनी नावों में कितनी बार	2	15
III	उपन्यास: नदी के द्वीप	3	15
IV	कहानी : रोज, पगौडा वृक्ष, पठार का धीरज, शरणार्थी, हीलीबोन की बत्तखे निबंध: कला का स्वभाव एवं उद्देश्य, साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया	4	15
Total Contact hours			60
Evaluation Methods			
Internal Assessment: 30 Marks		End Term Examination: 70 Marks	
• Class Participation:	5	Written Examination: 70	
• Seminar/presentation/assignment /quiz/class test etc.:	10		
• Mid-Term Exam:	15		
Part C-Learning Resources			
Recommended Books/Journals/ e-resources/ Learning Management Systems (LMS):			
Instructions			
• चतुर्वेदी, रामस्वरूप (1972). अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या. नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन. • ए, डॉ- अरविंदाक्षन (2012). कविता अज्ञेय, संस्थान प्रकाशन, नई दिल्ली। • कुमार, डॉ- राकेश (2010). अज्ञेय का कथापक्ष, शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स, दिल्ली। • गुप्ता, डॉ- पूनम (2014). अज्ञेय की कविता में मनुष्य की अवधारणा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली। • मीना, डॉ- हरिकेश (2021). अज्ञेय के साहित्य में प्रयोगधर्मिता, आर पब्लिकेशन, जयपुर • पालीवाल, कृष्णदत्त (संपा.). (2011). अज्ञेय रचनावली, नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ. • पालीवाल, कृष्णदत्त (2009). अज्ञेय: कवि कर्म का संकट, नई दिल्ली, किताबघर प्रकाशन। • राठौड़, डॉ - ललिता (2006). अज्ञेय एवं मुक्तिबोध नई कविता के परिपेक्ष्य में, विद्या प्रकाशन,			

अज्ञेय

मुक्तिबोध

शकुंतला

कानपुर।

- ऋषिकल्प, डॉ-रमेश(2008). अज्ञेय की कविता परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- शुक्ल, श्रीलाल (1982). अज्ञेय: कुछ रंग कुछ राग, नई दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
- तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद (संपा.). (1987). अज्ञेय, नई दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
- त्रिपाठी, चंद्रकला (संपा.). अज्ञेय और नयी कविता, वाराणसी, संजय बुक सेंटर।
- त्रिपाठी, डॉ- रामशंकर, (1994). अज्ञेय का प्रकृति परिवेश, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
- मिश्र, डॉ -विनोद कुमार(2006). आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर: अज्ञेय और मुक्तिबोध, संदर्भ पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स

Mapping of Course Learning Outcomes (CLOs) to Program Learning Outcomes (PLOs)

& Program Specific Outcomes (PSOs)

CLOs	PLO ₁	PLO ₂	PLO ₃	PLO ₄	PLO ₅	PLO ₆	PLO ₇	PLO ₈	PLO ₉	PLO ₁₀	PLO ₁₁	PSO ₁	PSO ₂
CLO ₁	3	2	2	1				3	2			3	1
CLO ₂	3	3	2	3		2		2	2			3	2
CLO ₃	3	2	2	3		3		3	3	2		3	2
CLO ₄	2	3	3	3	2	2	2	3	3	3	1	3	3

Content Mapping with NEP thrust areas

Field	Hours devoted
Employability	06
Entrepreneurship	06
Skill Enhancement	08
Communication Development	10
Indian Knowledge System	12
Environmental Awareness/SDGs	06
Current Issues and Social Awareness	10
Gender issues	04
Public policies	04

शकुंतला

अज्ञेय

मैतृपुत्री